EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

एकल संदेश

भारत लोक शिक्षा परिषद्

एकल विद्यालय

जी आई–17, जी. टी. करनाल रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया, आजादपुर, दिल्ली–110033
दूरभाष : 011–47523879, 42478184, 9999399063
ई–मेल : media@blspindia.org , वेबसाईट : www.blspindia.org

Registered Under IICA
ISO 9001 : 2008 (QMS)

फरवरी – मार्च–2020 विशेषांक

एकल परिवर्तन कुंभ–2020
राष्ट्र निर्माण का कुंभ

"अलौकिक, अभूतपूर्व, ज्ञान का कुंभ"

एकल अभियान पंचमुखी शिक्षा में माध्यम से अपनी विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के साथ देश के 4 लाख गाँवों में रहने वाले 30 करोड़ ग्रामीण एवं वनवासी परिवारों में शिक्षा स्वास्थ्य, संस्कार, जागरण एवं प्रखर राष्ट्रवाद की भावना को विकसित करने के लिए 30 वर्षों से कर्मशील है।

इस अभियान को जन जन तक पहुंचाने के लिए 17–19 फरवरी 2020 को माता रमाबाई अम्बेडकर मैदान, लखनऊ में भव्य परिवर्तन कुंभ का आयोजन किया गया।

अद्भुत, अद्वितीय, विहंगम एकल परिवर्तन कुंभ द्वारा हजारों साल पुरानी भारतीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गौरवगाथा को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि भारत पुनः विश्वगुरू बनकर दुनिया का मार्गदर्शन कर सके। शिक्षा, संस्कार, समर्पण के इस पावन पर्व को भव्य बनाने के लिए एकल परिवार संकल्पित भाव से सेवारत है। 1989 में एक विद्यालय से शुरू होकर यह अभियान आज अपने एक लाख विद्यालय के लक्ष्य को पूर्ण कर चुका है।

EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

एकल संदेश

भारत लोक शिक्षा परिषद्

एकल विद्यालय

जी आई–17, जी. टी. करनाल रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया, आजादपुर, दिल्ली–110033
दूरभाष : 011–47523879, 42478184, 9999399063
ई–मेल : media@blspindia.org , वेबसाईट : www.blspindia.org

Registered Under IICA
ISO 9001 : 2008 (QMS)

फरवरी – मार्च–2020 विशेषांक

एकल परिवर्तन कुंभ–2020
राष्ट्र निर्माण का कुंभ

''अलौकिक, अभूतपूर्व, ज्ञान का कुंभ''

एकल अभियान पंचमुखी शिक्षा में माध्यम से अपनी विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के साथ देश के 4 लाख गाँवों में रहने वाले 30 करोड़ ग्रामीण एवं वनवासी परिवारों में शिक्षा स्वास्थ्य, संस्कार, जागरण एवं प्रखर राष्ट्रवाद की भावना को विकसित करने के लिए 30 वर्षों से कर्मशील है।

इस अभियान को जन जन तक पहुंचाने के लिए 17–19 फरवरी 2020 को माता रमाबाई अम्बेडकर मैदान, लखनऊ में भव्य परिवर्तन कुंभ का आयोजन किया गया।

अद्भुत, अद्वितीय, विहंगम एकल परिवर्तन कुंभ द्वारा हजारों साल पुरानी भारतीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गौरवगाथा को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि भारत पुनः विश्वगुरू बनकर दुनिया का मार्गदर्शन कर सके। शिक्षा, संस्कार, समर्पण के इस पावन पर्व को भव्य बनाने के लिए एकल परिवार संकल्पित भाव से सेवारत है। 1989 में एक विद्यालय से शुरू होकर यह अभियान आज अपने एक लाख विद्यालय के लक्ष्य को पूर्ण कर चुका है।

एकल अभियान द्वारा आयोजित परिवर्तन कुंभ का उद्देश्य राष्ट्र को अशिक्षा, कुपोषण एवं रोग मुक्ति बनाना, राष्ट्र निर्माण के मिशन में समाज की विभिन्न प्रकार की सहभागिता को बढ़ाना। दान और सामाजिक सहयोग से चल रहे एकल विद्यालयों को आत्मनिर्भर बनाना। स्वरोजगार के लिए ग्रामीण लोगों को तैयार करना है।

प्रेस वार्ता (13 फरवरी 2020)

इस कार्यक्रम को जन जन तक पहुँचाने के लिए 13 फरवरी 2020 को लखनऊ में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाया जा सके, और समाज निर्माण के इस पवित्र प्रवाह में अधिक से अधिक लोग जुड़ सकें। इस प्रेस वार्ता के भारत लोक शिक्षा परिषद् ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी, श्री माधवेन्द्र जी, (महामंत्री, केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति) श्रीमती मंजू श्रीवास्तव जी, (अध्यक्ष, एकल संस्थान) श्री उमा शंकर हलवासिया जी, (अध्यक्ष, लखनऊ चैप्टर), श्री आशीष कुमार अग्रवाल जी (अध्यक्ष एकल कुंभ आयोजन समिति) साहित कार्यक्रम से जुड़े हुए अन्य महानुभाव उपस्थित रहे। इस वार्ता में 100 से भी अधिक पत्रकारों ने भाग लेकर इस कार्यक्रम के भव्य प्रचार प्रसार को सुनिश्चित किया।

"नगर के लोगो को बताना कि गाँव के अन्दर क्या काम एकल अभियान कर रहा है, क्यों कर रहा है और आपस में सामंजस्य स्थापित करने के लिए परिवर्तन कुंभ का आयोजन किया जा रहा है।"

–लक्ष्मी नारायण गोयल (चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड, भारत लोक शिक्षा परिषद्)

"यह अपने आप में पहला एक सम्मेलन है जिसमें प्रान्त स्तर पर ग्राम स्वराज सेनानियों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। और स्वराज सैनिको ने यह शपथ ली है कि हम अपने गाँव के विकास के लिए काम करेंगे।"

–मंजूश्री श्रीवास्तव (अध्यक्ष, एकल संस्थान)

मुख्य बिंदु –

- एकल अभियान द्वारा किये जा रहे कार्यों को समाज के सामने प्रस्तुत करना
- 50 हजार घरों से 2 लाख पैकेट भोजन की व्यवस्था
- स्वराज सैनिकों का पहली बार सम्मेलन, संभाग बैठक
- एकल द्वारा हो रहे सामाजिक परिवर्तन की रूप रेखा
- एकल गौरव एवं भावी योजना

भूमि पूजन – (13 फरवरी 2020)

भारतीय परम्परा के अनुरूप किसी भी शुभ कार्य के लिए भूमि पूजन आवश्यक माना गया है, 13 फरवरी 2020 को एकल परिवर्तन कुंभ की सफलता एवं सम्पन्नता हेतु वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन का कार्य सम्पन्न हुआ। जिसमें एकल कुंभ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। और कुंभ की सफलता की कामनाएं की।

आयोजन के आकर्षण : लाखों ग्राम स्वराज सेनानियों का भव्य सम्मेलन :-

16 फरवरी को 22 हजार गाँवों से सभी दिशाओं से भव्य शोभायात्रा प्रातः 10 बजे अंबेडकर सभागार, डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय से शुरू हुई और रमाबाई अंबेडकर मैदान में एकल अभियान की भव्यत और विशालता को प्रकट किया। एकल के प्रति स्वराज सैनिकों का उत्साह देखकर लग रहा है था कि मानो सम्पूर्ण भारत एक साथ एकत्रित हो गया हो। भारत के सभी प्रान्तों से आये हुए देश के शैक्षणिक प्रहरी विभिन्न सांस्कृतिक विविधताओं को समेटे हुए भारत के ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की भावना को प्रकट कर रही थी। एक भारत, श्रेष्ठ भारत, शिक्षित भारत, समृद्ध भारत की संकल्पना को अपने अंतःकरण में लिए हुए समर्पित भाव एवं असीम उत्साह से भरे हुए थे।

भारत सहित विश्व भर से आये हुए एकल अभियान के कार्यकर्ता एवं नि–स्वार्थ भाव से सेवारत नगर व ग्राम संगठन के हजारों कार्यकर्ताओं का अद्‌भुत संगम देखकर अभियान की संकल्पना पूर्ण होती नजर आई।

ग्राम एवं नगर संगठन के सहयोग से एकल अभियान ने भारत वर्ष के लाखों गाँवों में स्वाभिमान जगाकर उनके सशक्तिकरण का प्रयत्न किया है। इस हेतु एकल अभियान के ग्राम जागरण, शिक्षा के अंतर्गत उन्हें ग्राम स्वराज का संकल्प कराया जाता है, जिसका अर्थ अपने गांव का विकास स्वयं करना है।

मुख्य बिंदु –

- 22 हजार गाँवों से 5–5 स्वराज सैनिक इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए। ग्राम स्वराज सेनानियों का पहली बार रजिस्ट्रेशन हुआ है।
- सभी ग्राम स्वराज सेनानियों ने टोकन मनी भी जमा कराया है, स्वयं के खर्चे से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।
- सम्मेलन के दौरान एकल अभियान ने संकल्प कराया कि प्रत्येक गांव के 10 युवक और 10 युवतियों को ग्राम स्वराज सेनानी बनाकर उनके खुद के गांव का विकास करना है।
- प्रत्येक स्वराज सैनिक अपने गांव का विकास स्वयं करेंगे। स्वराज सैनिक गांव को जगायेंगे, पंचायतों का सशक्तिकरण करेंगे और आगामी पांच वर्षों में यह संकल्प पूरा करके दिखायेंगे।

उद्‌बोधन

आनंद पीठाधीश्वर, महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी बालकानन्द गिरी जी महाराज –

''आज हर व्यक्ति यहां से यह संकल्प लेकर जाएं कि वो कम से कम पांच बच्चों को शिक्षित करेंगे। आज समाज को स्वाराज की आवश्यकता है और स्वराज शिक्षा से ही आ सकता है। एकल अभियान समर्पित भाव से राष्ट्र निर्माण के इस पुनीत कार्य में लगा हुआ है, हमें पूर्ण विश्वास है कि इसे हम जल्द ही प्राप्त कर लेंगे।''

वात्सल्य शिरोमणि पूजनीय साध्वी माँ ऋतम्भरा जी ''दीदी माँ'' –

''भारत को भारत बनाये रखने की एकल की निष्ठा सिर्फ शिक्षा तक सीमित नहीं है। ये अभियान तो भारत के नवनिर्माण का अभियान है। ग्रामीण इलाके हों या वनवासी क्षेत्र, एकल हर उस जगह गया जहाँ सही मायने में भारत की आत्मा बसती है। समाज निर्माण में एकल के संकल्प और सामर्थ्य देखकर मैं अभिभूत हूं।''

परम पूजनीय संत गोविन्ददेव गिरि जी महाराज –

''सही मायने में रामराज्य की हमारी परिकल्पना उस दिन साकार होगी जिस दिन हमारे वनवासी भाई–बहन समाज के बाकी लोगों के साथ कन्धा से कन्धा मिलाकर चल सकेंगे। वनवासी क्षेत्र में रहने वाले लोगों की भलाई की बात पहले भी कई संस्थाए कर रहीं हैं। लेकिन धर्मान्तरण की आड़ में उन्होंने इन भोले भाले वनवासियों के साथ धोखा किया। एकल संस्था ने निःस्वार्थ भाव से इनके बीच रहकर इनका भरोसा जीतकर काम किया है।

राष्ट्रीय महामंत्री माधवेन्द्र सिंह –

''भारत के किसी भी गांव में हम एक भी गांववासी को असहाय नहीं देंगे। यह अभियान शुरू हो चुका है अब अपना आकार लिए बिना नहीं रुक सकता आप सभी का उत्साह देखकर ऐसा लगता है कि हम अपने लक्ष्य को बहुत जल्द ही पूरा करने वाले हैं, भारत का वास्तविक विकास तभी संभव है जब गांवों का विकास हो।''

डॉ0आर0बी0 सिंह (प्रभारी, एकल, परिवर्तन कुंभ) –

''यह बड़े ही हर्ष की बात है कि इस महान कार्य के लिए यहाँ पर इतना बड़ा जन सैलाब उमड़ा हुआ है। इस तेज से सम्पूर्ण भारत एक दिन अवश्य प्रज्जवलित होगा।''

प्रथम दिवस, द्वितीय सत्र – संभाग बैठक

परिवर्तन कुंभ के पहले दिन के दूसरे सत्र में आये हुए सभी संभागों की बैठक हुई, एकल अभियान से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तनों के बारे में चर्चा परिचर्चा की गयी। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्राम एवं नगर संगठन के मध्य आपसी समन्वय को बढ़ाना और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा परिचर्चा करना था। इस संभाग बैठक में वनबन्धु परिषद्, भारत लोक शिक्षा परिषद्, एकल विद्यालय फाउंडेशन ऑफ इंडिया, एकल ग्रामोत्थान, आरोग्य फांउडेशन, एकल संस्थान, एकल ग्लोबल, श्रीहरि सत्संग सहित एकल के सभी सहयोगी संगठनों के प्रमुख लोग शामिल हुए।

इस बैठक में भारत लोक शिक्षा परिषद् की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल जी राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजीव अग्रवाल जी, सह महामंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार जी दक्षिणी हिमाचल संभाग की बैठक में भाग लिए और अभियान से सम्बधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्य बिंदु :

- इस बैठक में सभी नगर एवं ग्राम संगठन के प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- सर्वश्रेष्ठ अंचल और श्रेष्ठ सेवाव्रती को सम्मानित किया गया।
- इस बैठक की व्यवस्था संभाग प्रमुख ने सभाला और इसका संचालन संभाग विकास प्रमुख ने किया।

दूसरा दिन – उद्घाटन सत्र – 17 फरवरी 2020

17 फरवरी 2020 को आंबेडकर सभागार, डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में परिवर्तन कुभ 2020 का भव्य उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्य नाथ जी द्वारा किया गया। मंच पर भारत लोक शिक्षा परिषद् ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन श्री लक्ष्मी नारायण जी गोयल, भारत लोक शिक्षा परिषद् लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष उमाशंकर हल्वासिया जी, स्वागत अध्यक्ष प्रतिष्ठित उद्योगपति श्री राज कुमार लोहिया जी, आचार्य श्री विजय शंकर मेहता जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। एकल अभियान के संस्थापक सदस्य माननीय श्री श्याम जी गुप्त के निर्देशन में एकल परिवर्तन कुंभ 2020 का कार्यक्रम अपने गौरवशाली ऐतिहासिक भव्यता को समेटते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ –

परिवर्तन कुंभ का उद्घाटन करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने स्वराज सेनानियों को संबोधित करते हुए कहा कि –

"जिस प्रकार भगवान राम ने वनवासियों के विकास को गाति देकर रामराज्य की स्थापना की, उसी प्रकार मोदी सरकार भी गांव–गांव तक सुविधाएं पहुचाने के लिए संकल्पित है। इस महान कार्य को गति प्रदान करने के लिए एकल अभियान बेहद महत्वपूर्ण है और अब शिक्षा के साथ साथ सरकारी योजनाओं से दुर्गम क्षेत्र के आदिवासियों को जागरुक करना है, ताकि हर झोंपड़ी को घर में बदला जा सके, राम राज्य की स्थापना की जा सके। सरकारें तो केवल योजनायें ला सकती हैं लेकिन उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य एकल अभियान कर रहा है, राष्ट्र निर्माण में इस से ज्यादा योगदान और कुछ नहीं हो सकता। यहाँ पर आये हुए स्वराज सैनिक देश को आन्तरिक मजबूती प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं।"

एकल अभियान के तीन दशकों के गौरवशाली सफर पर मिनाक्षी सिंह द्वारा लिखी गई पुस्तक ''एकल अभियान, जन्म से जनआन्दोलन तक'' का विमोचन श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया। इस पुस्तक में एकल अभियान की तरुणावस्था से लेकर युवा तक की गौरवगाथा का बहुत ही व्यवस्थित वर्णन किया गया है।

इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुएद माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ मंच पर उत्तर प्रदेश टेक्नकल युनिवर्सिटी (ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय) के वीसी श्री प्रो, विनय पाठक जी ने घोषणा किया कि – ''उत्तर प्रदेश के 600 से अधिक तकनीकी कॉलेज एकल विद्यालयों को तकनीकी शिक्षा से सशक्त करेंगे। इसके लिए एक सहमति पत्र (एम.ओ.यू.) पर भी हस्ताक्षर भी किया गया।''

आचार्य श्री विजय शंकर मेहता जी –

''जब सरकारें स्कूल चलो के नारे दे रहीं थी तो दूसरी ओर एकल अभियान शिक्षा और संस्कार के साथ स्कूल चलाने का काम भी शुरू कर चुका था, एकल अभियान एक महा अभियान है और यह देश के नवनिर्माण का अभियान है''

एकल गीत का सामूहिक गायन : उद्घाटन सत्र में श्रीहरी सत्संग समिति के कलाकरों द्वारा प्रभु श्रीराम की स्तुति तथा एकल गीत का सामूहिम गायन किया गया जो पूरे कार्यक्रम में एकलमाय कर दिया। प्रभु श्रीराम की स्तुति एवं एकल गीत सुनकर सभी लोग भाव विभोर हो गये।

एकल अभियान को अपने अतुलनीय योगदान से

सम्मान समारोह –

निरंतर आगे ले जाने वाले विभिन्न संस्थाओं के एकल विभुतियों को सम्मानित किया गया। वनबन्धु परिषद्, भारत लोक शिक्षा परिषद्, एकल विद्यालय फांउडेशन ऑफ इण्डिया एकल ग्रामोत्थान, आरोग्य फांउडेशन, एकल संस्थान, एकल ग्लोबल, श्रीहरि सत्संग सहित एकल के सभी संगठनों के प्रतिष्ठित महानुभावों को सम्मानित किया गया। जिसमें भारत लोक शिक्षा परिषद् के ट्रस्टी श्री सुभाष अग्रवाल जी, श्री नरेश जैन जी (ट्रस्टी), श्री सत्यनारयण बंधु जी (ट्रस्टी), श्री जी. डी. गोयल जी (चेयरमैन), श्री नंदकिशोर अग्रवाल जी (राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्री राजीव अग्रवाल जी (राष्ट्रीय महामंत्री), श्री नीरज रायजादा जी (संगठन मंत्री), श्री एस.एन. बंसल जी (क्षेत्रीय चेयरमै, पश्चिमी दिल्ली), श्री अखिल गुप्ता जी (अध्यक्ष, उत्तरी दिल्ली), श्री अशोक अग्रवाल जी (महांमत्री दक्षिणी दिल्ली) को सम्मानित किया गया।

एकल नायक, विशिष्ट चैप्टर तथा संभाग सम्मान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी के करकमलों से एकल अभियान के देशभर से आए अलग–अलग सम्भागों को शिक्षा के साथ साथ विशेष जनसेवा के लिए भी सम्मानित किया गया। महाकौशल सम्भाग के श्री संजय जैन, श्रीमति लक्ष्मी शुक्ला जी, श्री चन्दन जी के विलय विस्तार के लिए सम्मानित किया गया। ग्राम स्वाभिमान दायित्व के लिए बंगाल संभाग के क्रष्णेनदु दत्त श्री प्रदीप मुसद्दी जी, श्री श्रेष्टीमघर को सम्मानित किया गया।

गुणवत्ता के लिए उत्तराखण्ड संभाग के श्री दिनेश भारद्धाज, श्री भवन चन्द पाण्डेय जी को सम्मानित किया गया। सामाजिक समरसता और व्यसन मुक्ति के लिए वनवासी रक्षा परिवार, दिल्ली के श्री मनोज अरोड़ा जी को सम्मानित किया गया।

अंचलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन नगरसंगठन के लिए एफ.टी. एस. कोलकाता के श्री नीरज हडोदिया और श्री किशन जी केजरीवाल जी को सम्मानित किया गया।

द्वितीय दिन (17 फरवरी 2020 सोमवार)

परिवर्तन कुंभ के दूसरे दिन उद्घाटन सत्र के बाद तीनों सत्रों में सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तनों के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई जिसमें सभी परिवर्तनों के विषयों का प्रतिपादन किया गया, फिल्म प्रदर्शन, एकल नायकों का परिचय, एकल नायकों से प्रश्नोत्तर, एकल गौरव परिचय एवं विशेष अतिथि सम्मान का कार्यक्रम किया गया।

द्वितीय दिन : प्रथम सत्र – (सामाजिक परिवर्तन)

परिवर्तन कुंभ का प्रथम सत्र सामाजिक परिवर्तन के नाम रहा जिसमें एकल के माध्यम से ग्रामीणों के जीवन में होने वाले परिवर्तनों पर चर्चा की गयी। एकल फिल्म के माध्यम से एकल अभियान के द्वारा किये जा रहे सामाजिक परिवर्तनों को चित्रित करने का प्रयास किया गया। इस पवित्र अभियान के कार्यकर्ताओं के परिश्रम एवं समर्पण के फलस्वरूप समाज में भारतीय संस्कृति को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। एकल के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने वाले एकल नायकों को सम्मानित किया गया, और लोगों ने उनसे उनकी सफलता एवं कार्यप्रणाली के विषय से सम्बंधित प्रश्न भी पूछे गये।

मुख्य बिंदु :

- एकल विद्यालय के द्वारा समाज अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रहा है,
- सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं का लाभ भी ले रहा है।
- जनजागरूकता बढ़ रही है और सामाजिक अस्पृश्यता का अंत भी हो रहा है।
- फिल्म में माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को समझाने का प्रयास किया गया।

एकल प्रदर्शनी – परिवर्तन कुंभ में लगाये गये प्रदर्शनी के माध्यम से भारत के सांस्कृतिक, भौगोलिक एवं सामाजिक विषमता को एक परिवर्तन कुंभ के धागे में पिरोकर एक भारत श्रेष्ठ भारत की जो माला तैयार की गयी है उसकी छटा अलौकिक थी। इस प्रदर्शनी की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें शामिल की सभी वस्तुए हस्तनिर्मित एवं ग्रामीण आधारित थी। एकल प्रदर्शनी में समस्त भारत आये हुए एकल कार्यकर्ताओं ने अपने हुनर से ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण का जो मार्ग प्रशस्त किया है वह निश्चित रूप से भारत को सोने की चिड़िया बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्य बिंदु :

- भारत के विभिन्न राज्यों की प्रदर्शनी प्रस्तुत की गयी।
- प्रदर्शनी में लगाये गये सभी उत्पाद मुख्य रूप से ग्रामीण उत्पादों पर आधारित थे।
- सभी उत्पाद एकल के बंधुओं द्वारा ही उत्पादित किये गये उत्पाद लगाये गये थे।

द्वितीय दिन : द्वितीय सत्र (आर्थिक परिवर्तन) :–

एकल के माध्यम से होने वाले आर्थिक परिवर्तनों पर विशेष रूप से चर्चा हुई जिससे ग्रामीण एवं नगरीय संगठन के बीच आर्थिक विषमता को दूर करने में मदद मिल सके।

- **मुख्य बिंदु :**
- ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों के आर्थिक सुदृढीकरण की रूपरेखा तय की गयी।
- फिल्म के माध्यम से आर्थिक परिवर्तन को दर्शाने का प्रयास किया गया।
- अपने परिश्रम से समाज में आर्थिक परिवर्तन लाने वाले एकल नायकों को सम्मानित किया गया।
- एकल नायकों से उनकी सफलता के बारे में प्रश्नोत्तर भी किया गया।

द्वितीय दिन : तृतीय सत्र (सांस्कृतिक परिवर्तन)

भारत के गौरवशाली संस्कृति को पुनर्स्थापित करने के लिए एकल अभियान द्वारा भारतीय संस्कृति को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। परिवर्तन कुंभ के दौरान पिछले तीन दशकों के दौरान अलग–अलग क्षेत्रों में लाए जा रहे परिवर्तनों का चित्रण भी फिल्मों के माध्यम से किया गया, ताकि हर व्यक्ति इनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सके।

मुख्य बिंदु :

- ग्रामीण भारत में अपनी खोयी हुई संस्कृति को पुनःजागृत करने के लिए सत्संग चलाये जा रहे हैं।

- एकल रथ एवं श्रीहरी सत्संग के माध्यम से ग्रामीण लोगों में धार्मिक अलख जगाने का प्रयास किया जा रहा है।
- एकल विद्यालय में संस्कार शिक्षा के माध्यम से, माता पिता के चरण छूना, भोजन मन्त्र करना आदि सिखाए जाते हैं।

• तृतीय दिन (18 फरवरी 2020, मंगलवार) चतुर्थ सत्र, भावी योजनाएं –

एकल की भावी योजनाओं के बारे में चर्चा की गयी जिसमें योजना की प्रस्तावना, पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन, प्रश्नोत्तर एवं एक गौरव परिचय का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यूथ विंग की चेयरपर्सन श्रीमति नेहा मित्तल, मेंटर श्रीमति नयनतारा जैन जी के नेतृत्व में भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

श्रीमति नेहा मित्तल जी (चेयरपर्सन, यूथ विंग) –

श्रीमति नेहा मित्तल जी द्वारा एकल पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया गया एवं भावी योजना से सम्बंधित प्रशनोत्तर भी किया गया। जिसमें प्रमुख बिंदु निम्न थे –

एकल अभियान अब शिक्षा के साथ ग्रामीण इलाकों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करेगा।

एकल अभियान अब एजुकेशन एंड बेसिक ट्रेनिंग के साथ इंटीग्रेटेड विलेज डिवल्पमेंट के लिए कार्य करेगा। इसके अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य टेली–मेडिसिन चिकित्सा, स्वच्छता, संस्कृति पर्यावरण संरक्षण के कार्य किए जाएंगे।

शहरी और ग्रामीण छात्रों के बीच भावनात्मक संबंध स्थापित करने के लिए स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे।

ग्रामीण अंचल को मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके, इसके लिए भी सामुहिक व ग्राम स्तर पर कार्य किए जाएंगे।

तीसरा दिन – समापन सत्र (18 फरवरी 2020, मंगलवार)

लखनऊ में अम्बेडकर सभागार में एकल अभियान के तीन दिवसीय परिवर्तन कुंभ के समापन समारोह में भारत के रक्षामंत्री माननीय श्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह–सरकार्यवाह माननीय

श्री कृष्ण गोपाल जी और राष्ट्रीय संत पूज्य श्री रमेश भाई ओझा जी, लखनऊ चैप्टर के महासचिव श्री भूपेन्द्र अग्रवाल (भीम) जी मौजूद रहे। सभी ने एक सुर में एकल अभियान द्वारा निस्वार्थ भाव से आदिवासी, वनक्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों के 40 करोड़ से ज्यादा लोगों की सेवा के कार्यों की सराहना की।

केन्द्रीय रक्षामंत्री माननीय श्री राजनाथ सिंह जी –

''भारत को महान विश्वगुरू बनाना है तो शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी, और वह संस्कार एकल अभियान दे रहा है''

''भारत को विश्वगुरू बनाना है तो हर व्यक्ति को शिक्षित और संस्कारी होना जरूरी है, और यही कार्य एकल अभियान कर रहा है। नक्सलवाद, उग्रवाद, आदिवासी वनवासी जैसे इलाके जहाँ जाने में बड़े–बडे दिलेर लोगों की हिम्मत नहीं होती, वहां एकल अभियान विद्यालय चला रहा है, उन्हें शिक्षा के साथ संस्कार दे रहा है, देशभक्ति की भावना से ओत–प्रोत कर रहा है, वह एक वृहद कार्य है। नए भारत के निर्माण में भी एकल अभियान के कार्यकर्ता अहम भूमिका निभा रहे हैं।''

एक अभियान ही है जो देश के ग्रामीण इलाकों को जोड़ने में अहम भूमिका निभा रहा है। हृदय की गहराईयों से एकल अभियान से जुड़े हर व्यक्ति का भाईयों का बहनों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।''

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सह–सरकार्यवाह श्री डॉ. कृष्ण गोपाल जी –

''एकल अभियान के द्वारा गांव–गांव में साक्षरता, अध्यात्म और संस्कारों के संचार से समग्र विकास हो रहा और गांवों से जुड़कर भारत महान बन रहा है।''

राष्ट्रीय संत पूज्य श्री रमेश भाई ओझा जी –

"एकल विद्यालय के शिक्षक अति महत्वपूर्ण है, वंदनीय है क्योंकि वह कल के भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने आवाहन किया कि परिवर्तन कुंभ से देश को शिक्षित करने के लिए साथ संस्कृति और चरित्र निर्माण को लेकर भी बढ़े ताकि देश का सर्वांगीण विकास में योगदान दें।"

एकल गौरव–

एकल विद्यालय के वो छात्र जो देश सेवा में सेना, अर्धसैनिक बल एवं पुलिस सेवा में कार्यरत है, उन्होंने भी इस कार्यक्रम में माननीय रक्षामंत्री के समक्ष देश की आन–बान शान के लिए सर्वस्व न्यौछावर के लिए वचन दोहराया।

स्मारिका विमोचन –

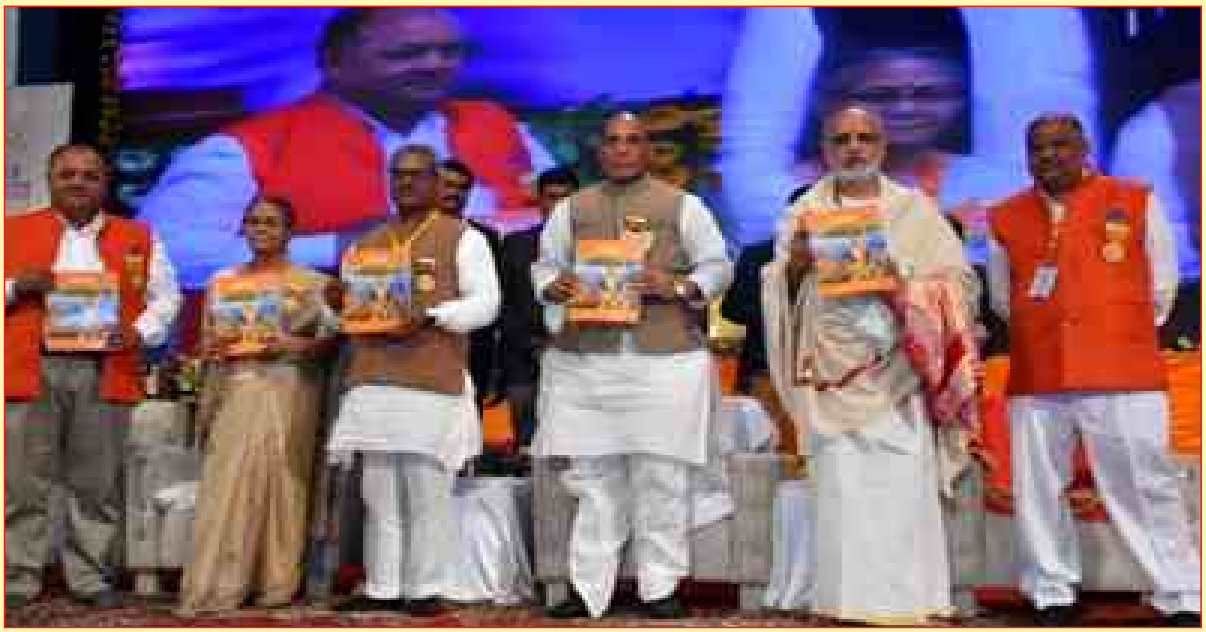

प्रोफेसर मंजूश्री राष्ट्रीय अध्यक्ष एकल संस्थान के द्वारा परिवर्तन कुंभ समारिका "संजीवनी" का भी विमोचन माननीय रक्षामंत्री सहित समस्त मंचासीन अतिथिों द्वारा किया गया।

इसके साथ ही कार्यक्रम में एकल अभियान के संस्थापक सदस्य श्री श्याम जी गुप्त, श्री बजरंग बगडा जी,

श्री माधवेन्द्र सिंह जी, भारत लोक शिक्षा परिषद् के ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी, श्री प्रशांत भाटिया जी, डॉ आर वी सिंह, भारत लोक शिक्षा परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल जी, अमेरिका एकल फांउडेशन के चेयरमैन श्री अरुण गुप्ता जी, विश्व हिन्दु परिषद् के संयुक्त महामंत्री भी मौजूद रहे। और कार्यक्रम के दौरान एकल अभियान की यूथ विंग की चेरपर्सन श्रीमति नेहा मित्तल, मेंटर श्रीमति नयनतारा जैन जी के नेतृत्व में भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। 22 वर्षों से एकल अभिान का जो विस्तार हुआ है। उसके डेटा पर एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। जो एकल अभियान की सभी प्रकार की तथ्यात्मक जानकारियों पर आधारित है।

अध्यक्षीय भाषण – परिवर्तन कुंभ के सफल आयोजन में व्यापक भूमिका निभाने वाले श्री भूपेन्द्र अग्रवाल जी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी का धन्यवाद किया और कहा कि यह बड़े ही गर्व की बात है कि लखनऊ इस परिवर्तन कुंभ का साक्षी बना, ऐसे ऐतिहासिक कार्य करने का जो अवसर मिला है बहुत ही सुखाद रहा। माननीय श्याम जी, श्री माधवेंद्र जी, श्री बजरंग बागड़ा जी, भारत लोक शिक्षा परिषद् केन्द्रीय टीम, लखनऊ चैप्टर, सभी सहयोगी संगठनों, ग्राम समिति, नगर समिति, सेवाव्रति, पूर्णकालिक, कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्य अतिथि, लखनऊ की जनता एवं सम्पूर्ण एकल परिवार का आभार एवं हृदय से धन्यवाद जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल, गौरवशाली एवं ऐतिहासिक बनाने में प्रण प्रण से समर्पित भाव से अपना योगदान दिया।

मंच संचालन – एकल अभियान के माध्यम से समावेशी विकास को ध्यान में रखते हुए एकल के इतिहास में पहली बार मंच का सम्पूर्ण संचालन ग्रामणी एवं वनवासी समाज के बंधुओं द्वारा स्थानीय भाषा में किया गया। मंच संचालन की जिम्मेदारी श्री ललन शर्मा जी एवं रंजन कुमार बाग जी के देख रेख में की गयी। जिन्हें माननीय श्याम जी का मार्गदर्शन समय समय पर मिलता रहा।

स्थानीय भाषा में संचालन से सम्पूर्ण भारत से आये हुए लोगों को अपने देशों की विभिन्न बोली और भाषा को जानने का अवसर भी मिला साथ ही सभी मंच संचालन करने वाले महानुभावों को समाज की मुख्यधारा में जुड़कर चलने में आत्मविश्वास का भाव भी पैदा हुआ।

एकल का पताका युवाओं के हाथ में –

माननीय श्याम जी ने अपनी दूरदर्शिता एवं एकल की कमान युवाओं के हाथ में सौंपकर, एकल को युवा सोच देने का कार्य किया है, इस क्रम में श्री बजरंग बागड़ा जी के युवा ब्रिगेड का दायित्व दुर्गेश त्रिपाठी ने संभाली, श्री माधवेन्द्र सिंह जी के युवा ब्रिगेड का दायित्व श्रीमती सुमन डिगारी जी एवं श्री रमेशा सरावगी जी के युवा ब्रिगेड का दायित्व श्रीमति नेहा मित्तल जी ने संभाली। यह दायित्व देश भर से युवाओं को एकल से जोड़ने और उन्हें देश के निर्माण के इस कार्य में लगाने के लिए दिया गया। एकल के विभूतियों का अनुभव और युवा नेतृत्व मिलकर एकल भारत को विश्वगुरू बनाने की दिशा में अग्रसर है।

धन्यवाद प्रस्ताव

एकल की उन विभूतियों को नमन जिन्होंने इसकी परिकल्पना की और भारत लोक शिक्षा परिषद् के लखनऊ चैप्टर को इस पुनीन कार्य के लिए चुना और भारत लोक शिक्षा परिषद् को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी।

माननीय श्री श्याम जी –

एकल अभियान के प्रणेता माननीय श्याम जी ने अपने ग्राम स्वराज की संकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए संकल्पित भाव से अपने ज्ञान के प्रकाश पुंज से अभिसिंचित किया और अपने कुशल नेतृत्व क्षमता एवं मार्गदर्शन से एकल के इस महाकुंभ में लोगों को जोड़ा और इस ज्ञान दायनी महाकुंभ का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ।

माननीय श्याम जी के अथक प्रयासों का एकल सदैव आभारी रहेगा, जो तीन माह से ज्यादा समय तक लखनऊ में रहकर बिना रुके बिना थके इस पुण्य कार्य में लगे रहे। यह बड़े ही हर्ष का विषय है कि माननीय श्री श्याम जी ने परिवर्तन कुंभ के तीनों दिन लगातार प्रत्येक कार्यक्रम की सूक्ष्म अवलोकन किया और स्वराज सैनिकों का मार्गदर्शन करते रहे। एकल के प्रति श्री श्याम जी का समर्पण देखकर स्वराज सैनिकों का मनोबल निरंतर बढ़ता रहा। साथ ही ग्राम एवं नगर संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को श्याम जी की ऊर्जा को देखकर प्राणवायु मिल रही थी। माननीय श्याम जी के अतुलनीय योगदान को शब्दों में नहीं बांधा जा सकता है।

श्री बजरंग बागड़ा जी (अध्यक्ष, केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति)

एकल अभियान के केन्द्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष श्री बजरंग बागडा जी ने अपने अथक प्रयास से नगर संगठन एवं ग्राम संगठन के कार्यकर्ताओं से समन्वय करके, नगर संगठन के साथ निरंगतर बैठक करके इस अभियान की सफलता में अप्रतिम योगदान दिया, नगर संगठन द्वारा किए जा रहे धन संग्रह के विभिन्न उपागमों से सम्पर्क करके धन की व्यवस्था करना हो या कार्यक्रम के लिए आवश्यक व्यवस्था हो उन्होंने बहुत ही तत्परता से एवं समर्पित भाव से किया और लोगों को जोड़ा। एकल परिवर्तन कुंभा में दिखाई गई सामाजिक, आर्थिक फिल्मों के निर्माण, पटकथा एवं निंदेशन में उन्होंने महती भूमिका निभाई।

श्री माधवेन्द्र सिंह जी (महामंत्री, केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति)

एकल अभियान के महामंत्री श्री माधवेन्द्र सिंह जी ने ग्राम संगठन के माध्यम से स्वराज सैनिकों की जो फौज खड़ी की वह एकल अभियान के आदर्शों एवं उसके मूल्यों का प्रतीक है प्रत्येक स्वराज सैनिक उसी ऊर्जा से ओतप्रोत था जिस ऊर्जा से माननीय श्याम जी गुप्त, श्री बजरंग बागड़ा जी एवं श्री माधवेन्द्र सिंह जी ने उन्हें राष्ट्र के निर्माण हेतु गांव को विकसित करने के लिए प्रेरित किया था। श्री माधवेन्द्र सिंह जी ने अपनी कुशल नेतृत्व क्षमा अद्भुत प्रतिभा एवं कार्य क्षमता के दाम पर 22 हजार गांव से सवा लाख स्वराज सैनिक को प्रेरित कर माता रमाबाई अम्बेडकर मैदान से होते हुए एकल अभियान के लक्ष्य तक पहुंचाया।

श्री लक्ष्मी नारायण गोयल (चेयरमैन – ट्रस्ट बोर्ड, भारत लोक शिक्षा परिषद्)

परिवर्तन कुंभ के आयोजन में श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी का मार्गदर्शन समय समय पर प्राप्त होता रहा जिनके प्रयास से प्रमुख मुख्य अतिथियों का आगमन संभव हो पाया, जिससे एकल परिवर्तन कुंभ ऐतिहासिक और सारभौमिक बन पाया, इनके बारे में रक्षा मंत्री माननीय राजनाथ सिंह ने कहा कि श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी द्वारा एकल का निमंत्रण मिलने के बाद मैं अपने आप को रोक नही पाया।

इस बात से ही इनके एकल के प्रति सर्मपण का पता चलता है। श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी के इस अतुलनीय योगदान से परिवर्तन कुंभ भव्य और ऐतिहासिक हो सका।

श्रीमती मंजू श्रीवास्तव जी – (राष्ट्रीय अध्यक्ष, एकल संस्थान)

नगरवासी एवं ग्रामवासी के मध्य सेतु का कार्य करने वाली श्रीमती मंजू श्रीवास्तव जी ने दिन रात एक करके ग्रामसमित एवं नगरसमिति के समन्वय का कार्य किया। परिवर्तन कुंभ की स्मारिका एवं परिवर्तन कुंभ से संबंधित सभी प्रकार के प्रिंटिंग संसाधनों को जुटकर प्रिंट के लिए तैयार करना, अधिक से अधिक लोगों तक इसकी लोकप्रियता को पहुंचाने का कार्य किया।

पत्रकार बंधुओं को जोड़ना और परिवर्तन कुंभ के लिए आमंत्रित करना, प्रेस वार्ता के आयोजन की व्यवस्था, अपने निर्देशन में प्रेस विज्ञप्ति बनाना जैस प्रचार प्रसार की पूरी व्यवस्था करके, इस कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाने में अपना अमूल्य योदान दिया।

ग्राम संगठन –

एकल परिवर्तन कुंभ 2020 की सफलता का मुख्य आधार स्तंभ की भूमिका ग्राम संगठन के लोगों ने निभाई जिसमें 22 हजार गांव से आए हुए सवा लाख स्वराज सैनिक, ग्राम संगठन के कार्यकर्ता, पूर्णकालिक कार्यकर्ता, और सेवाव्रती कार्यकर्ता ने अपने अथक प्रयास से गांव–गांव जाकर बैठक की और वहां से

लोगों को एकल अभियान से जोड़ने का जो प्रयास किया वह अद्भुत था। आज उसी का परिणाम है कि इतना बड़ा भव्य कार्यक्रम संपन्न हो पाया।

नगर संगठन के लोगों ने ग्राम संगठन को सहयोग किया और गांव में संभाग स्तर, भाग स्तर, अंचल स्तर पर बैठक कर के लोगों को एकल के बारे में समझाया और एकल से जुड़ने और इस महान कार्य में अपने योगदान के लिए प्रेरित किया।

नगर संगठन –

एकल अभियान को जन जन तक पहुंचाने के लिए एवं इसकी सफलता के लिए धन की व्यवस्था का कार्य नगर संगठन पर थी जिसे एकल अभियान की विभिन्न संगठनों ने मिलकर पूर्ण किया और इस भव्य कार्यक्रम के सफल आयोजन में किसी भी प्रकार की कोई कमी नही आने दी। विभिन्न सहयोगी संगठनों ने अपने अपने माध्यम से इस कार्यक्रम में सहयोग किया।

परिवर्तन कुंभ के आयोजन की जिम्मेदारी भारत लोक शिक्षा परिषद् को दी गई थी जिसने विभिन्न शहरों में उद्योगपतियों समाजसेवियों, शिक्षा प्रेमियों, धर्मनिष्ठ लोगों से लगातार सम्पर्क करके इस अभियान को पूर्ण करने में दिन रात एक करके इसे सफल बनाने में सहयोग किया। माननीय श्याम जी गुप्त, श्री बजरंग बागरा जी एवं श्री माधवेन्द्र सिंह जी का बहुत–बहुत आभार जिन्होंने भारत लोक शिक्षा परिषद् को इतने बड़े दायित्व निर्वहन करने की जिम्मेदारी दी थी। यह उनका विश्वास और उनका प्रेम था जो उन्होंने भारत लोक शिक्षा परिषद् पर जताकर इस पुनीत कार्य का दायित्व दिया।

लखनऊ चैप्टर –

भारत लोक शिक्षा परिषद् के लखनऊ चैप्टर द्वारा एकल परिवर्तन कुंभ 2020 की जिम्मेदारी दी गई थी जिसको लखनऊ चैप्टर ने अपने सूझबूझ, नेतृत्व क्षमा, कुशल प्रबंधन के माध्यम से सफल कराया।

इसकी सफलता में लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष श्री उमाशंकर हलवासिया जी, श्री महामंत्री भूपेन्द्र अग्रवाल जी एवं कुंभ आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री आशीष कुमार अग्रवाल जी का बहुत योगदान रहा जिन्होंने अपने व्यस्त जीवन में से समय निकाल कर इस अभियान में तन मन और धन से लगकर कार्य किया।

बडे हर्ष का विषय है कि लखनऊ चैप्टर को यह कार्य उसके सामर्थ को देख कर ही दिया गया था इतना भव्य आयोजन जिसका संचालन करना आसान नहीं था लेकिन लखनऊ चैप्टर के समर्पित कार्यकर्ताओं एवं उससे जुड़े हुए लोगों ने इस कार्य को करके दिखाया।

मुख्य बिंदु :

- लखनऊ चैप्टर द्वारा 50 हजार घरों से 2 लाख पैकेट भोजन की व्यवस्था।
- परिवर्तन कुंभ में आए हुए एकल परिवारों की लखनऊ में एकल परिवारों के घर ठहरने की व्यवस्था।
- परिवर्तन कुंभ के सभी प्रतिभागियों के यातायात की व्यवस्था।
- लखनऊ महानगर में एकल परिवार मिलन, जिससे संगठन को सामाजिक मजबूती मिल सके।
- धन संग्रह की व्यवस्था, नगर के प्रतिष्ठित लोगों से संपर्क करके।

स्वराज सैनिक –

एकल अभियान के द्वारा आयोजित परिवर्तन कुभ – 2020 में आए हुए स्वराज सैनिकों की एकल के प्रति प्रेम देश निर्माण के प्रति उनकी चिंता को उनके उत्साह से देखा जा सकता था। वे स्वयं अपने खर्चे पर इस कार्यक्रम में शामिल हुए और इसके अतिरिक्त उन्होंने इस कार्यक्रम हेतु कुछ टोकन मनी भी जमा कराया था, ताकि एकल अभियान के ऊपर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त आर्थिक दबाव ना आ सके। इससे ग्राम संगठन के स्वावलंबन एवं उनके सशक्तिकरण का बोध होता है। बड़े हर्ष का विषय है कि स्वराज सैनिकों ने इस अभियान की मजबूती के लिए स्वयं को समर्पित किया।

सहयोगी संगठन –

एकल अभियान के सभी सहयोगी संगठन **वनबन्धु परिषद्, भारत लोक शिक्षा परिषद्, एकल विद्यालय फांउडेशन ऑफ इंडिया, एकल ग्रामोत्थान, आरोग्य फाउंडेशन, एक संस्थान, एकल ग्लोबल, श्रीहरि सत्संग** सहित एकल के सभी सहयोगी संगठनों के प्रमुख लोगों शामिल हुए। जिन्होंने प्राण प्राण से जुटकर एकल परिवर्तन कुंभ को सफल बनाने में सहयोग किया।

माननीय श्री श्याम जी गुप्त, (प्रणेता, एकल अभियान), श्री बजरंग बागरा (अध्यक्ष, केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति), श्री माधवेन्द्र सिंह (महामंत्री केन्द्र कार्यकारिणी समिति), एकल ग्रामोत्थान से श्री रमेश कानोडिया, (महामंत्री) श्री लल्लन शर्मा जी (संगठन मंत्री), एकल विद्यालय फाउंडेशन ऑफ इंडिया से श्री सुमन धीर जी, श्री रविदेव गुप्ता (अध्यक्ष) श्री प्रदीप गोयल जी, एकल अभियान से श्री राजेश गोयल (प्रभारी, एकल अभियान), एकल संस्थान से श्रीमति मंजू दीदी (अध्यक्ष), श्री विजय मारू जी, एकल यूएसए से श्री रमेश शाह जी, श्रीहरि सत्संग समिति से श्री मनोज अरोरा जी (अध्यक्ष) श्री सत नारायण काबरा जी, श्री बुलाकी दास मिमानी जी, श्री गोपाल कानोडिया जी, वनबंन्धु परिषद् से श्री सज्जन बंसल जी (अध्यक्ष) श्री रमेश सरावगी जी (कार्यकारी अध्यक्ष) श्री एस. एस. दमानी जी, आरोग्य फांउडेशन ऑफ इंडिया से श्री अवनीश मट्टा जी (अध्यक्ष) सहित एकल अभियान के अन्य गणमान्य विभूतियाँ जिन्होंने परिवर्तन कुंभ में अपना योगदान दिया है हृदय की गहराईयों से उनका अनंत धन्यवाद।

एकल की झलकियाँ

एकल ग्राम स्वराज सेनानी

मंचासीन गणमान्य अतिथि

सांस्कृतिक कार्यक्रम

विशिष्ट अतिथि

एकल फ्यूचर

एकल बैग का अनावरण

अनेकता में एकता की झलक

ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम

महिला समिति

उत्तर प्रदेश के मंत्री माननीय नन्द गोपाल नंदी जी के लखनऊ स्थित आवास पर आयोजित रात्रि भोज –

एकल वालेंटियर

EKAL –the Journey Continues.....

EkalVidyalayasAbhiyan (EVA) is an unique people movement which is not only spreading literacy and basic education among children, but also building character and developing ethics &values among them leading to holistic development of children and youth.It is the largest nation building socialmovement in the world which is transforming the rural scenario of India & Nepal for over thirty one years.

EVA provides non-formal education through Songs, Stories, Games, Dance-Drama and Nature. The curriculum includes language, mathematics, general education/science, moral values/storytelling, healthcare, handicrafts, yoga and physical education. Itsemphasis is on the 3 R's(Reading, Writing, and Arithmetic) and value-based education. Around 30% students are linked to higher education.

Inception &Inspirations:

EVA is inspired by Swami Vivekananda, who quoted “If the poor child cannot come to education, education must go to the child.” The idea of one-teacher school (Ekal) was first conceived in the early 1980s by the late Dr. Rakesh Popli, a nuclear physics professor at the IIT, Kanpur. Popli and his team developed the first syllabus for the Ekal School.

In 1986, MadanlalAgarwala, the CEO of Coal India, generously funded 60 schools in Dhanbad, creating the first cluster of Ekal schools.In order to bridge the divide between urban &rural India, Shri Shyam Ji Gupta motivated some affluent families from Kolkata to visit Fulbani district as part of the Vanyatra and to form “Friends of Tribals Society" in 1989.Later, eight more organizations were formed under the abhiyan viz. Bharat LokShikshaParishad (year 2000), Ekalvidyalaya Foundation of India (year 2000), Shri Hari Satsang Samiti (year 2004), Arogya Foundation of India (year 2004), EkalSansthan (year 2008), EkalGramotthan Foundation (year 2014), Gram Sangthan (year 2015) and Ekal Global Foundation.

Late Shri Ashok Singhalji had declared that EkalAbhiyan is a “Brahmastra” to solve problems of rural Bharat. Realizing the dream of late shri Ashok Singhalji, EVA is progressing towards Shikshit, Swastha, Swavalambi and Swabhmani Bharat.

Achievements:

EVA is bridging the divide of rural-urban Bharat, arresting migration of rural youth fromEkal villages to cities, mobilizing local & traditional resources for upliftment of the poor, tribal & downtrodden and spreading awareness in Naxalite & terror infested areas.

The movement is promoting women empowerment by enrolling around 50% girl students, 72% women teachers, 22% whole time volunteers, 40% IT literacy trainees in GramotthanResource Centers, 30% trainees under Ekal on Wheel, 20% trainees of organic farming, 60% trainees of nutritional garden, 35% sanskar volunteers, 60% participants of SanskarRath&Katha, 100% health sevikas and considerable number of women in training programs.

Shikshit Bharat

- Running 1,02,100 Ekal Vidyalayas in Bharat 1900 Schools in Nepal with Students: 27,35,268 in India and 47,938 in Nepal (Dec. 2019).
- Spreading awareness about Government Welfare Schemes, Constitutional Duties and Rights and propagation of RTI to empower rural bharat.
- Concept of Gram Swaraj of Mahatma Gandhi

Swavalambi Bharat

- 18 Gramothan Resource centres (14 in operation &4 proposed); 52 tailoring centres, 30 Skill development centers, 10 PM Kaushal Vikas Yojna centers are developing entrepreneurship and skills of rural masses. Further, Helping farmers in marketing their products.
- Rural Jobs are created: 1,02,100 Acharyas, Full Time Volunteers: 7,879, Part Time Village Volunteers: 2,06,412
- It is developing Skill of farmers in Vermicompost, Plantation, Vegetable Cultivation, Cattle Care etc.

Digital Bharat

- 34 Ekal on Wheel spreading digital education (12,597 beneficiaries).
- E-Shiksha is parted with tablets with loaded audio-visual contents. It was first launched at Nanakmatta Sanch in Uttrakhand in October, 2016. During the second phase, 11 states have been covered.
- 23 Smart Computer labs are training rural youth (12,401 beneficiaries).

Swastha Bharat

- Organic Farming done in more than 1000 hectares land .
- 37 Arogya Resource Centre, Organised 1623 Health Camps which were attended by 2,40,189 Patients and for Anaemia Control by 1,74,206 patients
- It is addressing malnutrition by setting up Ekal nutrition garden.
- It is promoting preventive healthcare.
- It is promoting local available medicines , Indian medicine system and Telemedicine.
- It is promoting civic responsibilities and eradicating certain social evils like addiction to liquor and tobacco, etc.

Eco-Friendly Bharat

- Tree plantation done during the year over 24 lac.
- Water rejuvenation Program launched.

Sanskari Bharat

- 68,862 Sanskar Kendra are operational in Bharat and 1162 in Nepal to promote Indian culture & tradition .
- 44 Shree Hari Rath are operational to inculcate values.
- It is promoting traiditional art , music & dance by Ekal Soortal.
- It is eradicating divisive tendencies on lines of caste.

Way Forward:

From EkalVidyalayas development (EVD) to integrated village development (IVD):
IVD project aims at to bring permanent change in the lives of the villagers. It includes systematically planning for better housing, water & sanitation, health, education, infrastructure such as roads, power, transport, communication linkages, livelihood improvement, land & watershed treatment, and other related aspects that would together result in improved quality of life for the residents of the village.It was first launched in the year 2018 to uplift the lives of villagers in and around Shikharji in the state of Jharkhand. Presently, 12 IVD projects are being run.

Rajiv Aggarwal
National General Secretary,
Bharat Lok Shiksha Parishad

अनुभव कथन गीता मुन्दड़ा, इन्दौर

परिवर्तन कुंभ, लखनऊ, आखों देखा हाल, प्रथम दिन

परिवर्तन की झलक देखी, था शक्ति प्रदर्शन का सुनहरा अवसर, संगम स्थल बना और भगवा रंग में रंगा मैदान रमाबाई अंबेडकर, संत समाज संग सेवावृति और विराजी भामाशाहो की कतार, श्रीराम मय हुआ वातावरण, गूंजे भजन और आदिवासी नृत्यों ही झंकार, पूज्य गोविंद गिरी जी का आशीर्वाद, बालकानंद जी का आव्हान और ऋतंभरा जी की ललकार।, त्रिशूल धारी स्वराज सैनिकों का पराक्रम देख, सूरज भी हुआ मिलने को बेकरार।, नगर व ग्राम संगठन की वेशभूषा थी एक, समरसता का मिला संदेश, संभागशः बैठकों में हुई समीक्षा, भावी योजनाओं पर विचार।, सुखद यादें लेकर पहुंचे लोहिया यूनिवर्सिटी, किया भोजन और पंजीयन और लौटे करने को रात्रि–विश्राम।

द्वितीय दिवस–

17 फरवरी 2020 प्रवेश द्वार पर सजी–धजी बालाओं को देख हर्षित हुआ मन, हाथ में लिए तिलक चंदल और पुष्प वर्षा से किया सबका अभिनंदन बजरंगी प्रबंधन, मंजुल माधव का समर्पण, श्याम सखा का अनुशासन। हर जगह लग रहा था परिर्वन... परिवर्तन ... परिवर्तन। मुख्यमंत्री योगी जी और पूज्य मेहता जी के सानिध्य में हुआ उद्घाटन, मातृशक्ति द्वारा दीप प्रज्वलन। फिल्मों में देखी झलक सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक परिवर्तन, एकल योद्धा ही थे इसके नायक, हुआ इनसे भी साक्षात्कार। दक्ष सेवावृत्तियों ने किय सुद्ढ मंच संचालन, उडिया, पंजाबी, राजस्थानी, भिन्न–भिन्न भाषाओं के प्रयोग ने दिया संदेश–, भाषा नहीं, भावना है बलवान। आकर्षण का केन्द्र बनीअरुणाचल की चार बेटियां, इनका भोलापन, मैन समर्पण और परफेक्शन।

तृतीय दिवस–

18 फरवरी, 2020, जोश शेरर और उत्साह के साथ युवा पीढ़ी का हुआ प्रवेश अचानक, चुनौती स्वीकारने को तैयार मानो, नवयुग दे रहा दस्तक। फ्यूचर ग्रुप की एकल मस्ती देख खिल उठे चेहरे सारे, परिवर्तन की लहरों संग उमड़ पड़ी खुशियां सारी। भावी योजनओं का एनिमेश्न फिल्म से दिया प्रेजेंटेान, चौगुना टारगेट, एक दशक में पूर्णता का दिया आवश्वासन। बदलाव का हुआ अगाजा, ध्वज हस्तांतरण का दृश्य था भाव प्रधान। साकार हुआ स्वप्न, जब हुआ एकाकार, समय श्रम व धन का सही प्रबंधन। रक्षा मंत्री राजनाथ जी और संत श्री रमेश जी ओझा का मिला मार्गदशन। सानिध्य इनका पाकर एकल सैनिकों व एकल पुलिस कर्मियों का बढ़ा मान और आत्म सम्मान। भारत माता की आरती के साथ हुआ कार्यक्रम का समापन, नए जोश और विश्वास के साथ राष्ट्र प्रेम का भाव लिये, सबने किया प्रथान। विशेष : श्री हरि भजन व रथ दर्शन, वनवासी कला का प्रदर्शन। एकल साहित्या का प्रकाशन, स्वादिष्ट भोजन। आतिथ्यकर्ता परिवारों को स्नेह बंधन, मानो एकल एक्स्चेंज प्रोग्राम का नियोजन। सब सुनहरी यादें संजोकर, नारा यह लगाना है। एकल का गौरव बढ़ाना है, यह संकल्प हमार है।

एकल भारत की तस्वीर प्रत्येक माह में एकत्रित डिजीटल डाटा

SN	Heads	Target		Actual				Balance to Achieve	
		Figure	%	Nepal	India	Total	%	Figure	%
	Ekal Siksha								
1	(I) Anchal (Project Area)	362	100	12	346	358	99	16	4
2	Sanch (Cluster)	3531	100	160	3361	3521	100	169	5
3	(II) School Total	103521	100	1900	100152	102052	99	3369	3
	Reported School	100152	100	0	96718	96718	97	3434	3
	School - A Grade	*	*	0	74630	74630	77	*	*
	School- B Grade	*	*	0	20379	20379	21	*	*
	School - C Grade	*	*	0	809	809	1	*	*
	School - D Grade	*	*	0	900	900	1	*	*
4	Student	3061560	100	47938	2728344	2776282	91	333216	11
	Student - A Grade	*	*	0	1662043	1662043	60	*	*
	Student - B Grade	*	*	0	666236	666236	24	*	*
	Student - C Grade	*	*	0	192284	192284	7	*	*
	Student - Absent	*	*	0	207723	207723	7	*	*

एकल विद्यालय के लिए सहयोग

वार्षिक सहयोग			
1 विद्यालय के लिए	₹ 22,000/–	30 विद्यालय के लिए	₹ 6.60 लाख
5 विद्यालयों के लिए	₹ 1,10,000/–	50 विद्यालयों के लिए	₹ 11 लाख
10 विद्यालयों के लिए	₹ 2,20,000/–	100 विद्यालयों के लिए	₹ 22 लाख

एकल अभियान से जुड़ने के लिए हमारी **वेबसाइट www.blspindia.org** मोबाइल नंबर–9999399063 पर सम्पर्क करें एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु भारत लोक शिक्षा परिषद् A/C No: 467902050000186, IFSC Code : UBIN 0546798 Union Bank of India,

आपके द्वारा एकल के लिए किए गए सहयोग से गरीब बच्चे संस्कार सहित शिक्षा प्राप्त करते है, जो आने वाले समय में राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे।

इस सहयोग राशि से आपके नाम से विद्यालयों का संचालन किया जाता है एवम् इन विद्यालयों की फोटोग्राफ भी समय–समय पर आपको **WhatApp** के माध्यम से संप्रेषित किए जाते है साथ ही आप इन विद्यालयों की वनयात्रा भी कर सकते है जिससे आपको बहुत ही सुखद अनुभव की प्राप्ति होगी।

मुख्य सम्पादक : डा. वीरेन्द्र कुमार (सह महामंत्री, भारत लोक शिक्षा परिषद्)

प्रकाशक : भारत लोक शिक्षा परिषद्
जी आई–17, जी.टी. करनाल रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया, आजादपुर, दिल्ली–110033
दूरभाष : 011–47523879, 42478184, 9999399063
Email : info@blspindia.org, administration@blspindia.org
Website : www.blspindia.org